Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

पावलॉव का शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत (Pavlov's Classical Conditioning Theory)

1. **प्रस्तावना (Introduction)**

   - शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत सीखने (Learning) का एक मूलभूत सिद्धांत है, जिसे रूसी शरीर-विज्ञानी (Physiologist) इवान पेत्रोविच पावलॉव (Ivan P. Pavlov, 1849–1936) ने प्रतिपादित किया।
   - यह सिद्धांत बताता है कि सीखना उत्तेजनाओं (Stimuli) के बीच संबंध स्थापित होने से होता है, न कि केवल चेतन प्रयास से।
   - पावलॉव को 1904 में नोबेल पुरस्कार पाचन तंत्र पर किए गए शोध के लिए मिला, लेकिन सीखने के क्षेत्र में उनका सबसे प्रसिद्ध योगदान शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत है।

2. **प्रयोग की पृष्ठभूमि (Background of Experiment)**

   - पावलॉव कुत्तों के पाचन पर शोध कर रहे थे। उन्होंने देखा कि:
   - कुत्ता भोजन देखने या सूँघने पर ही लार (Salivation) छोड़ने लगता था।
   - यहाँ तक कि प्रयोगकर्ता को देखते ही लार स्राव होने लगता था।
   - इससे पावलॉव ने निष्कर्ष निकाला कि लार स्राव केवल जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सीखी हुई प्रतिक्रिया भी हो सकती है।

3. **पावलॉव का प्रसिद्ध प्रयोग (Pavlov's famous experiment)**

   प्रयोग की प्रक्रिया:

   - कुत्ते के मुँह के पास एक नली लगाई गई जिससे लार की मात्रा मापी जा सके।

Edit with WPS Office

- भोजन (Meat powder) देने पर कुत्ता स्वाभाविक रूप से लार छोड़ता था।
- भोजन देने से पहले एक घंटी (Bell) बजाई गई।
- यह प्रक्रिया कई बार दोहराई गई।
- कुछ समय बाद केवल घंटी बजाने पर ही कुत्ते के मुँह से लार निकलने लगी।

4. **प्रयोग में प्रयुक्त प्रमुख संकल्पनाएँ (Key Concepts of Classical Conditioning)**

(i) अननुबंधित उत्तेजना (Unconditioned Stimulus – UCS)

- वह उत्तेजना जो स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया उत्पन्न करती है।
- जैसे - भोजन

(ii) अननुबंधित प्रतिक्रिया (Unconditioned Response – UCR)

- UCS के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया।
- जैसे - लार स्राव (भोजन पर)

(iii) तटस्थ उत्तेजना (Neutral Stimulus – NS)

- वह उत्तेजना जो प्रारंभ में कोई विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न नहीं करती।
- जैसे - घंटी (प्रयोग से पहले)

(iv) अनुबंधित उत्तेजना (Conditioned Stimulus – CS)

- वह तटस्थ उत्तेजना जो UCS के साथ जुड़कर प्रतिक्रिया उत्पन्न करने लगती है।
- जैसे - घंटी (प्रयोग के बाद)

(v) अनुबंधित प्रतिक्रिया (Conditioned Response – CR)

- CS के प्रति उत्पन्न सीखी हुई प्रतिक्रिया।

Edit with WPS Office

- जैसे - घंटी पर लार स्राव

5. **शास्त्रीय अनुबंधन की अवस्थाएँ (Stages of Classical Conditioning)**

(i) पूर्व अनुबंधन अवस्था (Before Conditioning)

- UCS → UCR
- NS → कोई प्रतिक्रिया नहीं

(ii) अनुबंधन अवस्था (During Conditioning)

- NS + UCS → UCR

(III) पश्चात अनुबंधन अवस्था (After Conditioning)

- CS → CR

6. **शास्त्रीय अनुबंधन के नियम (Laws / Principles of Classical Conditioning)**

(i) अधिग्रहण (Acquisition)

- CS और UCS को बार-बार साथ प्रस्तुत करने से अनुबंधन स्थापित होता है।

(ii) लोप (Extinction)

- यदि CS को बार-बार UCS के बिना प्रस्तुत किया जाए तो CR धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है।

(iii) स्वस्फूर्त पुनरुत्थान (Spontaneous Recovery)

- कुछ समय बाद CR अचानक फिर से प्रकट हो सकती है।

Edit with WPS Office

(iv) सामान्यीकरण (Generalization)

- CS से मिलती-जुलती उत्तेजनाओं पर भी समान प्रतिक्रिया हो जाती है।

(v) विभेदन (Discrimination)

- व्यक्ति केवल विशिष्ट CS पर ही प्रतिक्रिया देना सीखता है।

7. **शास्त्रीय अनुबंधन का मनोवैज्ञानिक महत्व (The psychological significance of classical conditioning)**
   - सीखने की वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत करता है।
   - व्यवहारवाद (Behaviorism) की नींव रखता है।
   - भावनाओं, आदतों और भय के निर्माण को समझने में सहायक।

8. **अनुप्रयोग (Applications)**

   (i) शिक्षा में

   - सकारात्मक वातावरण से सीखने में रुचि बढ़ाना।
   - डर को कम करना (जैसे परीक्षा-भय)।

   (ii) चिकित्सा एवं मनोचिकित्सा में

   - फोबिया (Phobia) उपचार
   - व्यवहार संशोधन (Behavior Therapy)

   (iii) विज्ञापन में

   - उत्पाद को सुखद उत्तेजनाओं से जोड़ना।

Edit with WPS Office

9. **आलोचना (Criticism)**

- मानव सीखने की जटिलता को पूरी तरह नहीं समझा पाता।
- संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की उपेक्षा करता है।
- केवल प्रत्यक्ष व्यवहार पर ध्यान देता है।

10. **निष्कर्ष (Conclusion)**

पावलॉव का शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत सीखने के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है। यद्यपि इसकी सीमाएँ हैं, फिर भी यह सिद्धांत आज भी मनोविज्ञान, शिक्षा और चिकित्सा में अत्यंत उपयोगी है।

Edit with WPS Office